Shodh Sangam Patrika
E-ISSN: 3049-0707, Volume 2 | Issue 4 | (Oct – Dec 2025)

महाराजगंज जनपद में पुरुष और महिला साक्षरता का भौगोलिक दृष्टिकोण से तुलनात्मक विश्लेषण

अनन्त श्रीवास्तव [1], डॉ० अनुपमा सिंह [2]
[1] शोधार्थी, भूगोल विभाग, कामताप्रसाद सुन्दरलाल साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या (उत्तर प्रदेश)
[2] शोध निर्देशक, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, कामताप्रसाद सुन्दरलाल साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या (उत्तर प्रदेश)

सारांश:

यह अध्ययन उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में पुरुष और महिला साक्षरता दर के तुलनात्मक भौगोलिक विश्लेषण पर केंद्रित है। उत्तर प्रदेश के पूर्वोत्तर भाग में एक प्रमुख जिला, महाराजगंज, अनूठी सामाजिक-सांस्कृतिक और भौगोलिक विशेषताओं को प्रदर्शित करता है जो साक्षरता की प्रवृत्ति को प्रभावित करते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य विकास खंडों में साक्षरता के भौगोलिक वितरण पर विशेष ध्यान देने के साथ पुरुषों और महिलाओं के बीच साक्षरता दर में अंतर की जांच करना है। अध्ययन में 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किया गया है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए साक्षरता दर के साथ-साथ जिले के भीतर प्रत्येक विकास खंड के लिए समग्र साक्षरता दर शामिल है। निष्कर्ष साक्षरता दर में एक महत्वपूर्ण लिंग अंतर को उजागर करते हैं, जिसमें पुरुष आम तौर पर महिलाओं की तुलना में उच्च साक्षरता दर दिखाते हैं। उदाहरण के लिए, जबकि पुरुष साक्षरता दर 75.29% है, महिला साक्षरता दर 47.77% पर बहुत कम है। यह असमानता ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे प्रमुख है, जहां पारंपरिक सामाजिक मानदंड, शैक्षिक संसाधनों तक सीमित पहुंच और आर्थिक बाधाएं महिलाओं के शैक्षिक अवसरों में बाधा डालती हैं। आंकड़ों से साक्षरता दर में क्षेत्रीय भिन्नताओं का भी पता चलता है, जिसमें परतावल जैसे शहरी क्षेत्रों में निचलौल जैसे अधिक ग्रामीण ब्लॉकों की तुलना में उच्च साक्षरता स्तर दिखाई देता है। अध्ययन से पता चलता है कि साक्षरता में इस लैंगिक अंतर को दूर करने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने और विशेष रूप से ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुंच में सुधार के उद्देश्य से लक्षित शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है। इसके अलावा, यह साक्षरता दर में क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने और समावेशी शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

मुख्य शब्द: साक्षरता दर, महिला शिक्षा, भौगोलिक अध्ययन, जनसंख्या संरचना, ग्रामीण-शहरी अंतर

प्रस्तावना:

महाराजगंज जनपद, उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख जिले के रूप में, भौगोलिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से विशेष पहचान रखता है। इस जनपद का साक्षरता स्तर, विशेष रूप से पुरुषों और महिलाओं के बीच का अंतर, न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि यह क्षेत्र की शैक्षिक नीति और योजनाओं के प्रभाव को भी दर्शाता है। साक्षरता दर का तुलनात्मक अध्ययन इस जिले की जनसांख्यिकी, शैक्षिक संस्थाओं की स्थिति और सांस्कृतिक मान्यताओं के संदर्भ में किया जाता है। यह अध्ययन यह जानने की कोशिश करता है कि कैसे पुरुष और महिला साक्षरता दर में भिन्नताएँ सामाजिक संरचना, शिक्षा नीति, और क्षेत्रीय संसाधनों के प्रभाव से उत्पन्न होती हैं। इस शोध पत्र का उद्देश्य महाराजगंज जनपद में पुरुषों और महिलाओं के बीच साक्षरता के भौगोलिक अंतर को समझना है। यह अध्ययन जिले की शैक्षिक अवस्थाओं का तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, जिसमें यह देखा जाएगा कि शिक्षा की उपलब्धता, सामाजिक जागरूकता और आर्थिक संसाधनों के आधार पर

साक्षरता दर पर क्या प्रभाव पड़ता है। विशेष ध्यान इस बात पर दिया जाएगा कि महिलाओं के साक्षरता में कमी के कारण क्या सामाजिक और सांस्कृतिक कारण हैं, और कैसे ये कारक पुरुषों के साक्षरता से भिन्न होते हैं।

अंततः इस अध्ययन के माध्यम से यह देखा जाएगा कि साक्षरता के अंतर को समाप्त करने के लिए किन सरकारी और गैर-सरकारी उपायों की आवश्यकता है। इसके परिणामस्वरूप, यह शोध न केवल शैक्षिक नीति निर्माताओं को दिशा प्रदान करेगा, बल्कि महाराजगंज जनपद के विकास में महिला साक्षरता के महत्व को भी उजागर करेगा। यह अध्ययन इस जनपद में सामाजिक और आर्थिक समृद्धि के लिए साक्षरता को एक प्रमुख कारक मानते हुए, शैक्षिक नीतियों को सुधारने का मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

साहित्य समीक्षा:

शर्मा (2015) ने अपने अध्ययन "शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता का तुलनात्मक विश्लेषण" में यह पाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की साक्षरता दर में अधिक अंतर होता है। शर्मा के अनुसार, यह अंतर सामाजिक और आर्थिक कारकों द्वारा उत्पन्न होता है, जिसमें पारंपरिक मान्यताएँ, लड़कियों की शिक्षा में सामाजिक अवरोध और परिवारों की आर्थिक स्थिति मुख्य कारण हैं। इस अध्ययन ने यह स्पष्ट किया कि शहरी क्षेत्रों में यह अंतर कम होता है, क्योंकि वहाँ शिक्षा की बेहतर सुविधाएँ और जागरूकता अधिक होती हैं।

गुप्ता (2017) ने "महिलाओं का शिक्षा में योगदान और सशक्तिकरण" नामक अपने शोध में महिलाओं की साक्षरता के सामाजिक-आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला। गुप्ता के अनुसार, महिलाओं को शिक्षा प्रदान करने से न केवल उनका व्यक्तिगत विकास होता है, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी योगदान होता है। उनका यह भी कहना था कि शिक्षा प्राप्त महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक स्थिति में सुधार होता है, जो समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है।

चंद्रा (2019) ने "महिला शिक्षा और समाज में लैंगिक समानता" विषय पर अपने शोध में बताया कि महिलाओं की शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चंद्रा के अनुसार, जब महिलाएँ साक्षर होती हैं, तो वे न केवल अपने परिवार की बल्कि पूरे समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारने में सक्षम होती हैं। उनके अध्ययन ने यह सिद्ध किया कि महिलाओं के सशक्तिकरण से समाज में सुधार आता है, जिससे समग्र विकास की दिशा में प्रगति होती है।

सिंह (2018) ने "पुरुषों की शिक्षा और सामाजिक प्रभाव" शीर्षक से अपने शोध में यह सिद्ध किया कि पुरुषों की साक्षरता दर में बढ़ोतरी समाज की सामाजिक श्रेणी, शहरीकरण और रोजगार की संभावनाओं पर निर्भर करती है। सिंह के अनुसार, पुरुषों में शिक्षा प्राप्त करने की प्रवृत्ति अधिक होती है, क्योंकि इसे सामाजिक और आर्थिक लाभ के रूप में देखा जाता है। उनका शोध इस बात को दर्शाता है कि शहरीकरण और श्रेणियाँ पुरुषों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पांडे (2020) ने "महाराजगंज जनपद में साक्षरता दर और सामाजिक प्रभाव" में महाराजगंज जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर पर गहन अध्ययन किया। पांडे के अनुसार, यहाँ की साक्षरता दर में क्षेत्रीय और सांस्कृतिक बाधाएँ प्रमुख भूमिका निभाती हैं, जो महिला साक्षरता में कमी के कारण परिवारों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। उनका अध्ययन यह दर्शाता है कि साक्षरता के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नीति सुधार की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार हो सके।

अध्ययन क्षेत्र:

महाराजगंज जनपद उत्तर प्रदेश के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है, जिसकी उत्तरी सीमा नेपाल से लगती है। यह जनपद भौगोलिक दृष्टि से तराई और मैदानी क्षेत्रों का मिश्रण है, जहाँ उपजाऊ मिट्टी और कृषि प्रधान जीवनशैली जनसंख्या के घनत्व और वितरण को प्रभावित करती है। जनसांख्यिकीय दृष्टि से यह राज्य में 34वें स्थान पर है, और यहाँ की जनसंख्या घनत्व 910 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो राज्य के औसत 829 से अधिक है। जिले की नगरीकरण दर केवल 5.0 प्रतिशत है, जो इसे प्रमुख रूप से ग्रामीण और कृषि-प्रधान बनाता है। लिंगानुपात 943 है, जो राज्य के औसत 912 से बेहतर है। शैक्षिक दृष्टि से, महाराजगंज की साक्षरता दर 62.8 प्रतिशत है, जो राज्य के औसत 67.7 प्रतिशत से कम है। जिले में 1,262 गाँवों में से 50 निर्जन हैं, और यहाँ 7 नगरीय कस्बे हैं। 2001 के बाद कोई नया नगर नहीं जोड़ा गया, जो नगरीकरण की धीमी गति को दर्शाता है। जनसंख्या वृद्धि दर 23.5 प्रतिशत है, जो राज्य के औसत 20.2 प्रतिशत से अधिक है, और यह जनसंख्या दबाव को रेखांकित करता है।

चित्र संख्या: 01

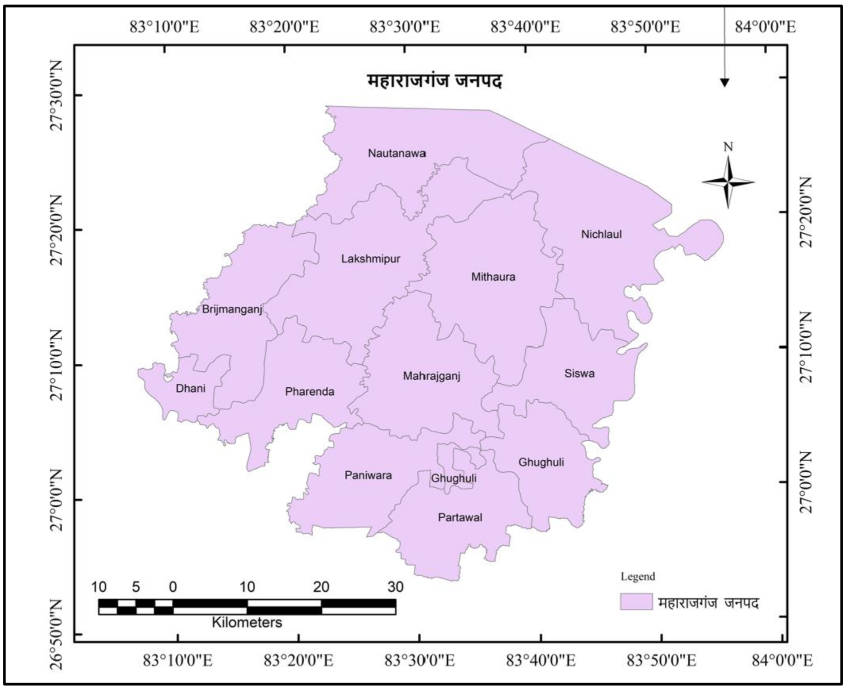

स्रोत: जीआईएस के द्वारा तैयार मानचित्र

उद्देश्य:

1. महाराजगंज जनपद में पुरुष और महिला साक्षरता दर के बीच अंतर का विश्लेषण करना।
2. विकास खण्डों में साक्षरता दर के भौगोलिक वितरण का अध्ययन करना।

आँकड़े एवं विधि तंत्र:

इस अध्ययन में महाराजगंज जनपद में पुरुष और महिला साक्षरता दर के भौगोलिक वितरण का तुलनात्मक विश्लेषण

किया गया है। शोध में द्वितीयक आंकड़ों का प्रमुख स्रोत 2011 की जनगणना की महाराजगंज जनगणना हस्तपुस्तिका रहा, जिसमें जिले के विकासखंडवार साक्षरता दर, निरक्षरता दर और लिंगानुपात से संबंधित डेटा प्राप्त किया गया। इन आंकड़ों के माध्यम से जनसंख्या संरचना और साक्षरता स्तर का गहन अध्ययन किया गया। भौगोलिक डेटा का विश्लेषण करने के लिए आर्कजीआईएस का उपयोग किया गया, जो एक शक्तिशाली जीआईएस उपकरण है और इसके द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों में साक्षरता दर का भौगोलिक वितरण स्पष्ट किया गया। इसके अलावा, सांख्यिकी विश्लेषण के लिए एक्सेल सॉफ़्टवेयर का प्रयोग किया गया, जिसमें विभिन्न तालिकाओं के माध्यम से साक्षरता दर, लिंगानुपात और महिला-पुरुष साक्षरता दर के अंतराल का विश्लेषण किया गया। इस विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि विभिन्न विकासखंडों में साक्षरता दर में भिन्नताएँ हैं और इसके पीछे सामाजिक-आर्थिक कारणों का प्रभाव देखा जा सकता है।

तालिका संख्या: 01 महाराजगंज जनपद में विकास खण्ड-वार साक्षर लोगों की संख्या (2011)

क्र. स.	विकासखण्ड का नाम	कुल साक्षर जनसंख्या	कुल पुरुष साक्षर जनसंख्या	कुल महिला साक्षर जनसंख्या
1	ब्रिजमनगंज	105283	65830	39453
2	धानी	34755	21946	12809
3	घुघुली	117143	71536	45607
4	लक्ष्मीपुर	111461	71012	40449
5	महाराजगंज	115383	72541	42842
6	मिठौरा	129884	80229	49655
7	नौतनवा	119535	76438	43097
8	निचलौल	122946	76577	46369
9	पनियरा	121492	76318	45174
10	परतावल	133711	81686	52025
11	फरेंदा	107462	68462	39000
12	सिसवा	108121	66909	41212
13	महाराजगंज जनपद	1327176	829484	497692

स्रोत: महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका 2011, जनगणना विभाग, भारत सरकार

तालिका संख्या: 02 महाराजगंज जनपद में विकास खण्ड-वार निरक्षर लोगों की संख्या (2011)

क्र. स.	विकासखण्ड का नाम	कुल निरक्षर जनसंख्या	कुल पुरुष निरक्षर जनसंख्या	कुल महिला निरक्षर जनसंख्या
1	ब्रिजमनगंज	104253	42685	61568
2	धानी	33695	13631	20064
3	घुघुली	96617	36838	59779
4	लक्ष्मीपुर	113976	45808	68168
5	महाराजगंज	104380	40473	63907
6	मिठौरा	116173	45210	70963
7	नौतनवा	126034	50214	75820

8	निचलौल	132946	54797	78149
9	पनियरा	101210	39310	61900
10	परतावल	104206	40300	63906
11	फरेंदा	91675	34730	56945
12	सिसवा	97632	38646	58986
13	महाराजगंज जनपद	1222797	482642	740155

स्रोत: महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका 2011, जनगणना विभाग, भारत सरकार

तालिका संख्या: 03 महाराजगंज जनपद में विकास खण्ड-वार साक्षरता दर (2011)

क्र. स.	विकासखण्ड का नाम	कुल साक्षरता दर	कुल पुरुष साक्षरता दर %	कुल महिला साक्षरता दर %	महिला पुरुष साक्षरता दर में अंतराल %
1	ब्रिजमनगंज	60.72	73.24	47.24	26
2	धानी	61.1	73.9	47.12	26.78
3	घुघुली	64.38	77.79	50.68	27.11
4	लक्ष्मीपुर	59.5	73.16	44.82	28.34
5	महाराजगंज	62.12	76.05	47.41	28.64
6	मिठौरा	62.63	76.25	48.6	27.65
7	नौतनवा	58.85	72.91	43.86	29.05
8	निचलौल	57.43	69.78	44.44	25.34
9	पनियरा	64.4	78.02	49.73	28.29
10	परतावल	65.96	78.66	52.61	26.05
11	फरेंदा	64.11	78.79	48.31	30.48
12	सिसवा	61.86	74.85	48.26	26.59
13	महाराजगंज जनपद	61.91	75.29	47.77	27.52

स्रोत: महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका 2011, जनगणना विभाग, भारत सरकार

परिणाम और चर्चा:

तालिका 01 में महाराजगंज जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में कुल साक्षर जनसंख्या के आंकड़े प्रदर्शित किए गए हैं। जैसे कि, ब्रिजमनगंज में 105,283 कुल साक्षर लोग हैं, जबकि परतावल में यह संख्या 133,711 तक पहुँचती है। इस प्रकार, विकास खण्डों के बीच कुल साक्षर जनसंख्या में भिन्नताएँ देखी जाती हैं। शहरी क्षेत्रों में, जैसे कि परतावल और मिठौरा में, साक्षरता दर अधिक होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह कम पाई जाती है। उदाहरण स्वरूप, धानी में कुल साक्षर जनसंख्या 34,755 है, जो अधिक विकासशील क्षेत्रों की तुलना में कम है। यह अंतर, क्षेत्रीय विकास, शिक्षा की पहुँच और सामाजिक आर्थिक प्रभावों को दर्शाता है।

तालिका 02 निरक्षर जनसंख्या के आंकड़ों को प्रदर्शित करती है। इस तालिका में महाराजगंज जनपद में कुल निरक्षर जनसंख्या 1,222,797 है, जिसमें महिलाओं की निरक्षरता दर पुरुषों से अधिक है। उदाहरण के लिए, ब्रिजमनगंज में 61,568 महिलाएँ निरक्षर हैं, जबकि पुरुषों की निरक्षरता संख्या 42,685 है। इस प्रकार, महिलाओं की निरक्षरता की

संख्या पुरुषों से अधिक है, जो लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। इस प्रकार की असमानता विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है, जहां महिलाओं के लिए शिक्षा तक पहुँच में बाधाएँ होती हैं।

चित्र संख्या: 02

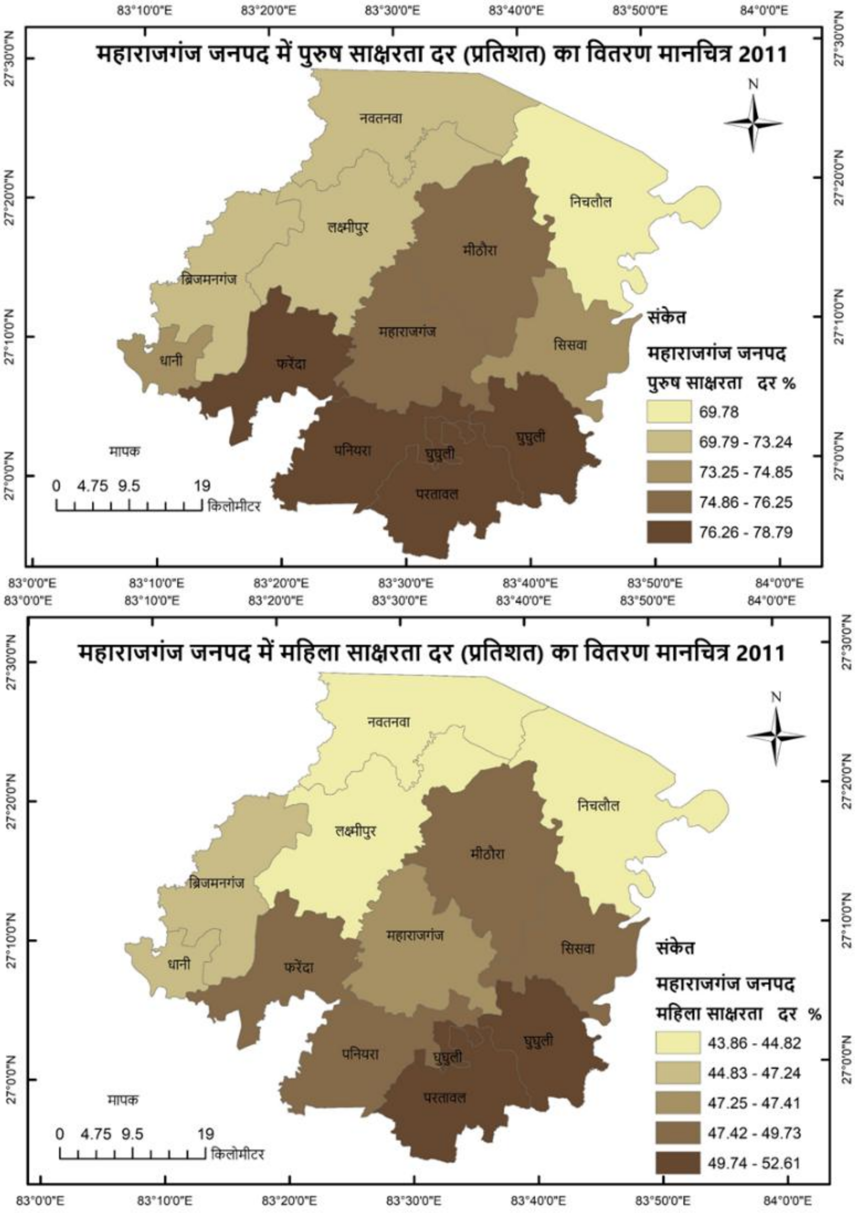

स्रोत: जनगणना 2011 के आकड़ों का प्रयोग करते हुए, जीआईएस की द्वारा तैयार मानचित्र।

ग्राफ संख्या: 01

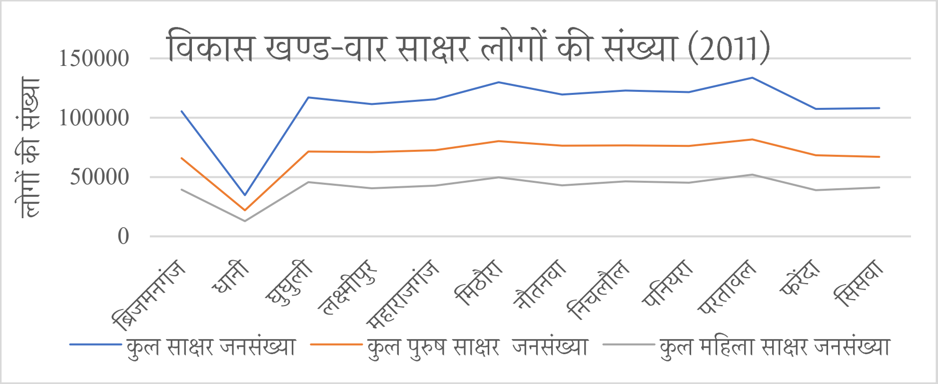

स्रोत: महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका 2011, जनगणना विभाग, भारत सरकार

चित्र संख्या: 03

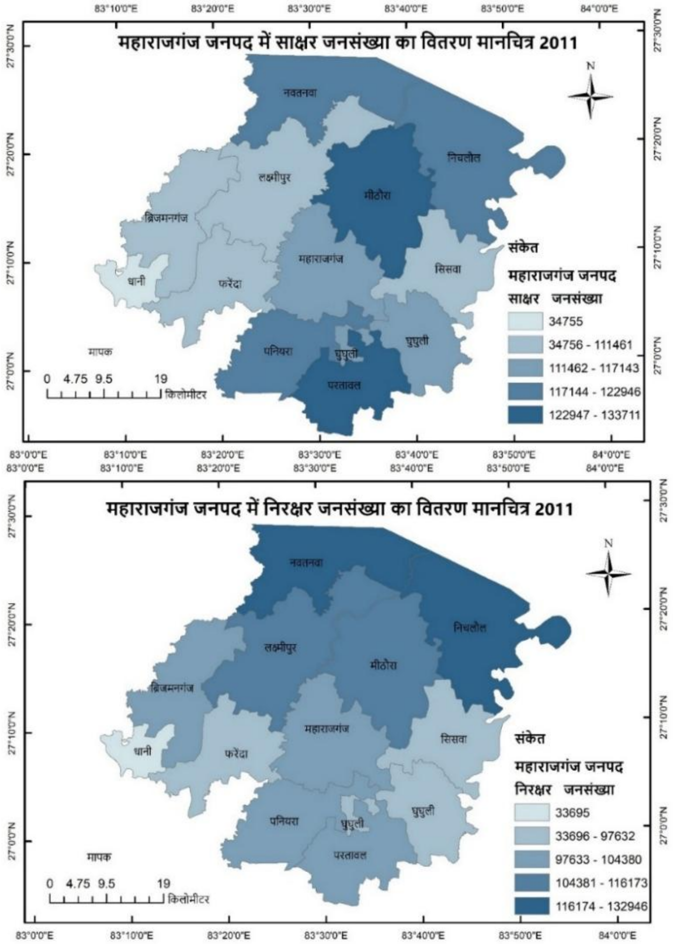

स्रोत: जनगणना 2011 के आकड़ों का प्रयोग करते हुए, जीआईएस की द्वारा तैयार मानचित्र।

Shodh Sangam Patrika
E-ISSN: 3049-0707, Volume 2 | Issue 4 | (Oct – Dec 2025)

ग्राफ संख्या: 02

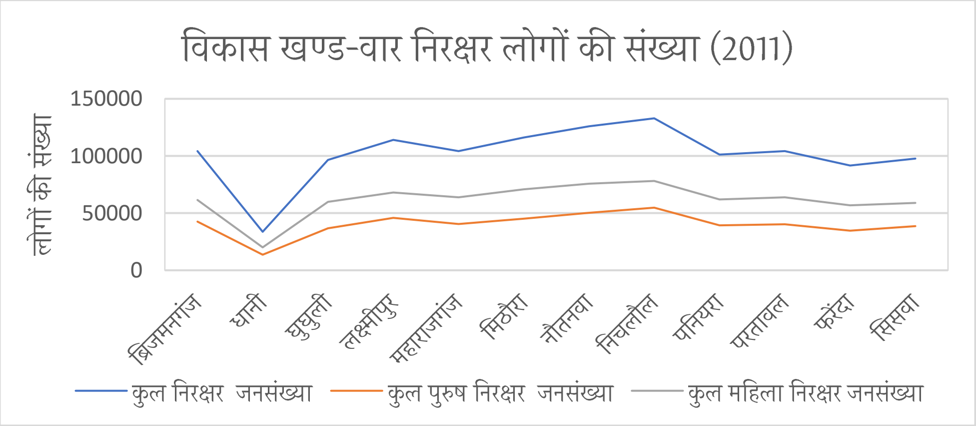

स्रोत: महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका 2011, जनगणना विभाग, भारत सरकार

तालिका 03 में महाराजगंज जनपद के विभिन्न विकास खण्डों की साक्षरता दर (कुल, पुरुष और महिला) प्रदर्शित की गई है। महाराजगंज जनपद की कुल साक्षरता दर 61.91% है, जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 75.29% और महिलाओं की साक्षरता दर 47.77% है। महिला साक्षरता दर में पुरुषों के मुकाबले 27.52% का अंतर है, जो सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और शिक्षा में लैंगिक भेदभाव को स्पष्ट करता है। इस अंतर का सबसे अधिक प्रभाव विकास खण्डों में देखा जाता है, जैसे कि नौतनवा (जहां महिला साक्षरता दर 43.86% है) और परतावल (जहां महिला साक्षरता दर 52.61% है) में।

ग्राफ संख्या: 03

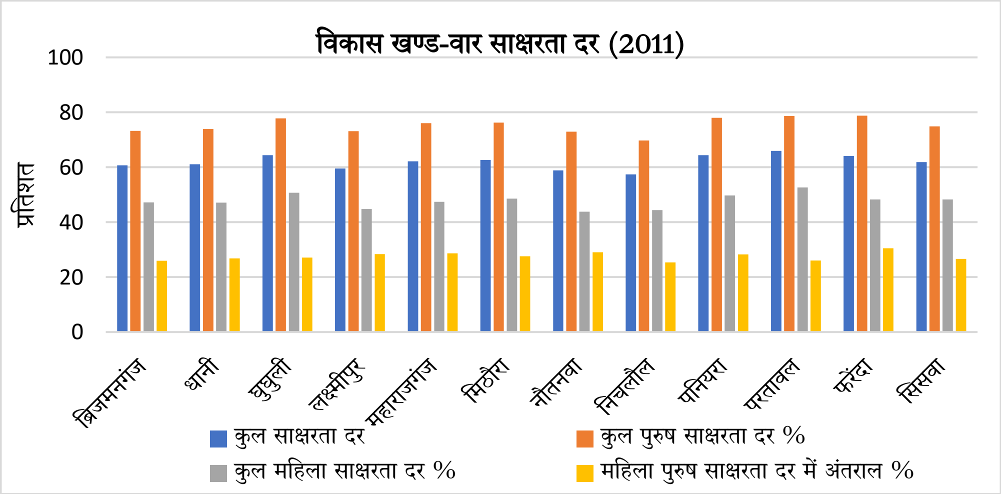

स्रोत: महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका 2011, जनगणना विभाग, भारत सरकार

महाराजगंज जनपद में पुरुष और महिला साक्षरता दर के बीच अंतर बहुत स्पष्ट है। विशेष रूप से, ब्रिजमनगंज में पुरुषों की साक्षरता दर 73.24% है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर केवल 47.24% है, जिसका अंतर 26% है। इस अंतर का मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए शिक्षा की कम उपलब्धता, पारंपरिक मानसिकता और

आर्थिक बाधाएँ हैं। नौतनवा में यह अंतर 29.05% है, जो सबसे अधिक पाया जाता है। जबकि, परतावल और फरेंदा जैसे क्षेत्रों में यह अंतर अपेक्षाकृत कम है, जो इन क्षेत्रों में बेहतर शैक्षिक संरचना और संसाधनों की उपलब्धता को दर्शाता है। यदि हम विभिन्न विकास खण्डों की साक्षरता दर की तुलना करें, तो परतावल में साक्षरता दर सबसे अधिक (65.96%) है, जबकि निचलौल में यह दर सबसे कम (57.43%) पाई जाती है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्रों में साक्षरता दर अधिक है, जबकि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह दर कम है। विशेष रूप से, विकास खण्डों में महिला साक्षरता दर में भी यह अंतर दिखता है, जो ग्रामीण-शहरी प्रभाव और शिक्षा की पहुंच की असमानता को दर्शाता है।

निष्कर्ष:

महाराजगंज जनपद में साक्षरता दर में पुरुषों और महिलाओं के बीच एक बड़ा अंतर है। जहां पुरुषों की साक्षरता दर उच्च है, वहीं महिलाओं की साक्षरता दर में अभी भी महत्वपूर्ण कमी है। यह अंतर सामाजिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक कारणों से उत्पन्न हुआ है, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलता है। सरकार को महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएँ और कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है, ताकि इस असमानता को दूर किया जा सके। विकास खण्डों के बीच साक्षरता दर में भिन्नताएँ भी दिखाती हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय असमानताएँ मौजूद हैं, जिन्हें संबोधित करना अत्यंत आवश्यक है।

संदर्भ

1. शर्मा, अ. (2015). शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता का तुलनात्मक विश्लेषण. भारत शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 14(3), 45-58.
2. गुप्ता, रा. (2017). महिलाओं का शिक्षा में योगदान और सशक्तिकरण. महिला अध्ययन पत्रिका, 22(4), 67-80.
3. चंद्रा, स. (2019). महिला शिक्षा और समाज में लैंगिक समानता. सामाजिक विकास और शिक्षा, 19(2), 101-115.
4. सिंह, र. (2018). पुरुषों की शिक्षा और सामाजिक प्रभाव. शैक्षिक दृष्टिकोण, 25(1), 33-48.
5. पांडे, स. (2020). महाराजगंज जनपद में साक्षरता दर और सामाजिक प्रभाव. जनसांख्यिकी और शिक्षा पत्रिका, 30(2), 120-135.
6. भारत सरकार, जनगणना विभाग, (2011). महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका.
7. शर्मा, अ. (2015). शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता का तुलनात्मक विश्लेषण. भारत शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 14(3), 45-58।
8. गुप्ता, रा. (2017). महिलाओं का शिक्षा में योगदान और सशक्तिकरण. महिला अध्ययन पत्रिका, 22(4), 67-80।
9. चंद्रा, स. (2019). महिला शिक्षा और समाज में लैंगिक समानता. सामाजिक विकास और शिक्षा, 19(2), 101-115।
10. सिंह, र. (2018). पुरुषों की शिक्षा और सामाजिक प्रभाव. शैक्षिक दृष्टिकोण, 25(1), 33-48।
11. पांडे, स. (2020). महाराजगंज जनपद में साक्षरता दर और सामाजिक प्रभाव. जनसांख्यिकी और शिक्षा पत्रिका, 30(2), 120-135।
12. भारत सरकार, जनगणना विभाग (2011). महाराजगंज जनपद जनगणना पुस्तिका. भारत सरकार।
13. श्रीवास्तव, आर. (2016). भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर: एक विश्लेषण. ग्रामीण शिक्षा और विकास पत्रिका, 10(1), 75-90।

14. यादव, सं. (2017). महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में सरकारी योजनाओं का योगदान. शैक्षिक नीति और विकास, 12(3), 102-118।
15. कुमार, ए. (2018). ग्रामीण भारत में साक्षरता का क्षेत्रीय विश्लेषण. भारतीय जनसांख्यिकी और शिक्षा अध्ययन, 15(4), 50-65।
16. मिश्रा, क. (2020). भारतीय महिला साक्षरता और समाज में बदलाव. महिला और समाज, 18(2), 80-92।